प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

केन्द्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा का पंतनगर विश्वविद्यालय में भ्रमण

पंतनगर। ०८ अप्रैल, २०१७। भारत सरकार के कपड़ा मंत्रालय के राज्य मंत्री, श्री अजय टम्टा, ने आज अपराह्न में पंतनगर विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय में उत्पादित की जा रही रेशे की फसल, अलसी, एवं उस पर किये जा रहे शोध कार्यक्रमों का अवलोकन करना था। विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता, डा. डी.एस. पाण्डे; निदेशक शोध, डा. जे.पी. सिंह एवं अलसी की फसल पर शोध कार्य कर रहे प्रमुख वैज्ञानिक, डा. बी.एस. महापात्र, ने श्री अजय टम्टा को विश्वविद्यालय के फसल अनुसंधान केन्द्र में उत्पादित की जा रही अलसी की फसल एवं उस पर चल रहे शोध कार्यक्रमों का अवलोकन कराया।

प्रक्षेत्र भ्रमण के बाद श्री अजय टम्टा ने प्रशासनिक भवन स्थित कुलपति के सभागार में कार्यवाहक कुलपति, डा. एच.सी. शर्मा, एवं विश्वविद्यालय फार्म के मुख्य महाप्रबन्धक, डा. ए.के. भारद्वाज, के साथ-साथ विश्वविद्यालय के अन्य वैज्ञानिकों एवं अन्य संस्थाओं के वैज्ञानिकों के साथ बैठक की। श्री टम्टा ने कहा कि भारत में लिनन का कपड़ा विदेशों से आयात किया जाता है, जबकि यहां पर उगाये जाने वाली अलसी फसल के पौधों से प्राप्त रेशों से बेहतरीन लिनन कपड़े का उत्पादन किया जा सकता है। उन्होंने जयश्री बिरला कम्पनी में अलसी के रेशों से तैयार कपड़े को उपस्थित जनों को दिखाया। राज्य मंत्री ने कहा कि भारत में निर्मित कपड़ा विदेशी कपड़े से उच्चगुणवत्ता का होगा, जिससे कपड़े के आयात में व्यय हो रही विदेशी मुद्रा की भी बचत होगी। उन्होंने पंतनगर से अलसी के बीज की अपेक्षा की, ताकि इनसे पर्वतीय क्षेत्रों में अलसी की फसल को उत्पादित किया जा सके। श्री टम्टा ने अलसी के रेशों पर शोध हेतु अल्मोड़ा में एक सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने के बारे में भी बताया। उन्होंने पंतनगर विश्वविद्यालय; विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (विपकास), अल्मोड़ा; निटरा, गाजियाबाद; इथनिक एटायर इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड एवं अन्य संस्थानों के संयुक्त प्रयास से इस दिशा में तेजी से कार्य करने के लिए कहा, ताकि सबका साथ एवं सबका विकास के नारे को चरितार्थ किया जा सके।

इस अवसर पर कार्यवाहक कुलपति, डा. एच.सी. शर्मा, ने राज्य मंत्री को पंतनगर विश्वविद्यालय के पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। निदेशक शोध, डा. जे.पी. सिंह, ने अलसी के रेशे के साथ-साथ उसके बीज के औषधीय गुणों पर कार्य करने की भी आवश्यकता बतायी, जिससे अलसी का उत्पादन बढ़ाने में सहायता मिलेगी। बैठक के प्रारम्भ में डा. महापात्र ने श्री टम्टा का स्वागत किया एवं उपस्थित वैज्ञानिकों तथा अन्य का परिचय कराया। बैठक में विपकास के निदेशक, डा. ए. पटनायक, एवं वैज्ञानिक, डा. बृजमोहन पाण्डे; निटरा की वैज्ञानिक, डा. श्वेता चौहान; इथनिक एटायर इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक, श्री हीरा सिंह अधिकारी के साथ-साथ पंतनगर विश्वविद्यालय के पूर्व संस्थापनाधिकारी एवं वैज्ञानिक, डा. विवेकानन्द; कृषि महाविद्यालय के वैज्ञानिक, डा. एस.पी. सिंह, डा. डी.आर. शुक्ला एवं अन्य वैज्ञानिक एवं भारतीय जनता पार्टी के स्थानीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

अलसी के पौधे का पंतनगर एवं अन्य संस्थानों के वैज्ञानिकों के साथ अवलोकन करते केन्द्रीय राज्य मंत्री, कपड़ा मंत्रालय, श्री अजय टम्टा।